आओ जाने वाड़ी के बारे में

NATIONAL INSTITUTE OF HYDROLOGY
राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान
आपो हिष्टा मयोभुवः

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद
MPCST
1981
M.P. COUNCIL OF SCIENCE & TECHNOLOGY

Development Alternatives

आओ जाने वाड़ी के बारे में

वाड़ी क्या है

वाड़ी एक बगीचा है जो किसान के आजीविका को मजबूत करने में मदद करता है। इसमें फलदार पौधे लगाते हैं जिससे आय में वृद्धि होती है। साथ ही, इसमें खाद्य, लकड़ी एवं जानवरों के लिए हरा चारा भी प्राप्त होता है।

वाड़ी क्यों

वाड़ी उन किसानों के लिए फायदेमंद है जिनका जोत कम हो या जो आदिवासी किसान आजीविका की तलाश में पलायन करते है। ऐसी स्थिति मे वाड़ी कृषि आधारित आजीविका को सुरक्षित करता है एवं पलायन में कमी आती है। जैव विविधता एवं वातावरण संतुलन में वाड़ी की मुख्य भूमिका होती है।

वाड़ी से लाभ

- सामाजिक सहभागिता के साथ आजीविका का विकास
- भूमि संरक्षण, महिला सशक्तिकरण एवं स्वास्थ्य सुविधा का लाभ
- वातावरण संतुलन एवं सामाजिक भागीदारी को एक साथ काम करना
- खेती की उपयोगिता बढ़ती है एवं जोखिम कम होता है।

वाड़ी लगाने के प्रमुख चरण

वाड़ी

जमीन की तैयारी

- जमीन का चयन
- पौध लगाने हेतु रेखांकन
- गड्ढे खोदना
- खुदे हुए गड्ढो को भरना
- खुदे हुए गड्ढो में गोबर की खाद/उर्वरक मिलाना
- सिंचाई करना

वाड़ी लगाना

- पौध लगाना
- पौधों का थाला बनाना
- पौधे को सहारा देना
- निराई गुड़ाई

प्रबंधन

- कीटों से बचाव
- जानवरों से बचाव
- प्रतिकूल मौसम से बचाव
- सस्य का प्रबंधन
- गर्मियों में फसल अवशेष से मलचिंग

जमीन का चयन तथा तैयारी

- किसान का खेत पर मालिकाना हक हो।
- खेत के ऊपर बिजली की तार न हो।
- खेत ज्यादा पथरीली न हो।
- पानी की उचित व्यवस्था हो।
- खेत में पानी का जमाव न हो।
- छायादार पेड़ न हो।
- मृदा स्वास्थ्य खराब न हो।
- प्रजाति का चुनाव बाजार एवं मांग के आधार पर करे।

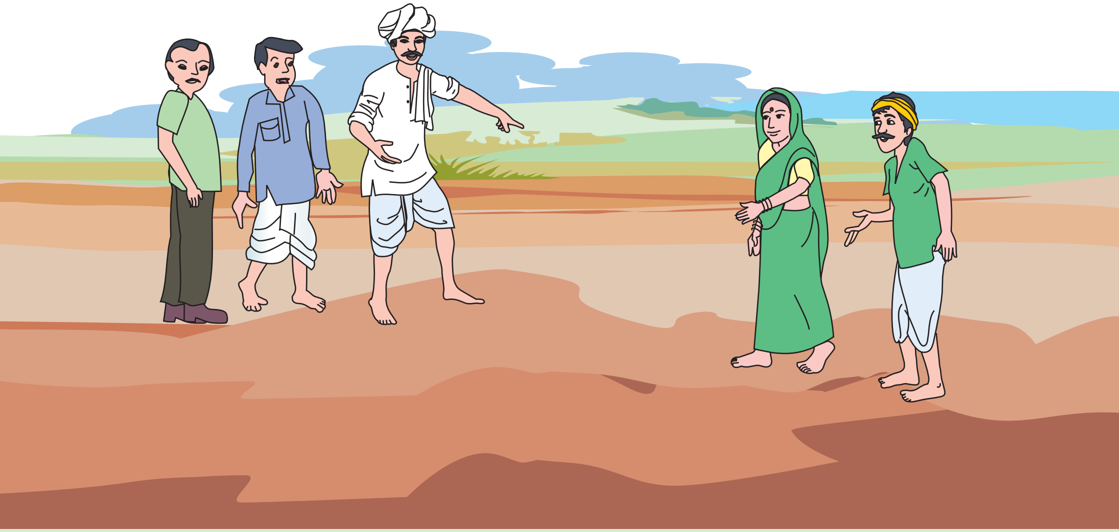

पौध लगाने हेतु रेखांकन

- वर्गाकार विधि द्वारा रेखांकन कर पौधरोपण।
- पौधे के किस्म का चयन जलवायु के आधार पर करे।
- ग्राफटेट पौधों का प्रत्यारोपन करे।
- चूना डालकर रस्सी की सहायता से रेखांकन करे।
- वर्गाकार से पौधा लगाने से खेत में ज्यादा पौधे लगते है।

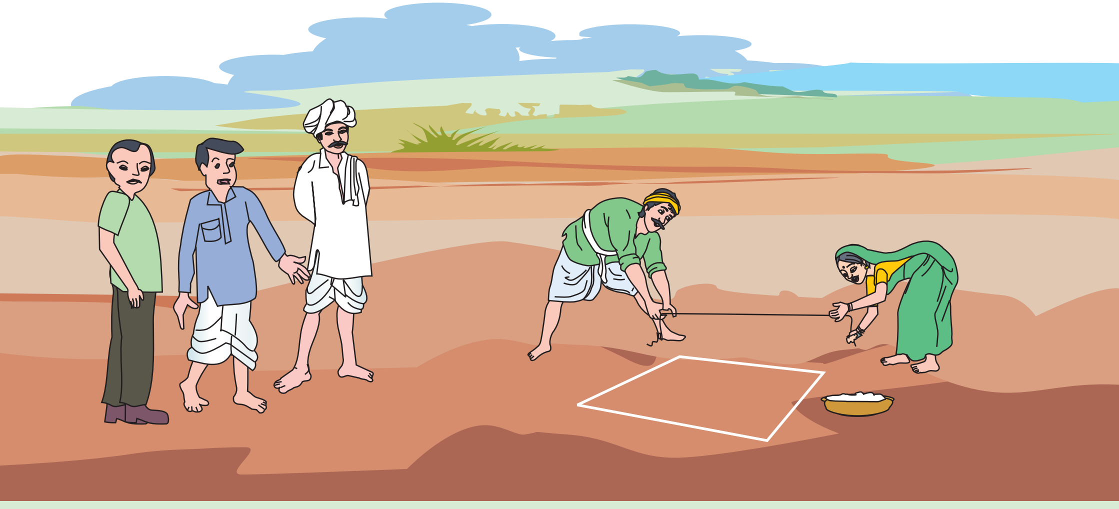

गड्ढे खोदना

- गड्ढे का उचित माप 1 X 1 X 1मी0 पर खोदें।
- खोदी गई मिट्टी की ऊपरी आधी मिट्टी को अलग करे। 30 कि0 ग्रा0 गोबर की खाद मिलाये, नीचे की मिट्टी को अलग कर दें।
- गड्ढों को धूप में 15 दिन खुला रखें।
- बची हुई मिट्टी को तीन तरफ रखे। जिस तरफ से पानी का बहाव हो उस तरफ मिटटी न रखे।
- वर्षा शुरू होने से 1 माह पूर्व गड्ढा खोद लें।

खेत का बचाव

- खेत के चारों तरफ गहरे गडढे (ट्रेंच) खोदें।
- सूखे डण्डे या कटीले पौधों से खेत के चारों तरफ घेराव करे।
- खेत के चारों तरफ नींबू, करौंदा या अन्य झाड़ी वाले पौधे लगाये।
- पत्थर की उपलब्धता में पत्थर से भी घेराव कर सकते है।
- पौध सुरक्षा को किसान अपने खेत पर या सामूहिक रूप से भी कर सकते हैं।

गड्ढो को भरना

- मिट्टी के साथ अन्य पोषक पदार्थो का उचित मिश्रण (जैविक पदार्थो, गोबर खाद, रसायनिक खाद) गड्ढे में भरे।
- दीमकरोधी दवा या नीम की खली 500 ग्राम प्रति गड्ढा में, गड्ढे भरते समय मिला दें।
- गड्ढे की भराई पहली वर्षा से पूर्व करें।
- सामान्यतः गड्ढे में 30 किग्रा. कम्पोस्ट, 500 ग्राम जिप्सम, 500 ग्राम नीम की खली को मिला कर गड्ढे को भरें।

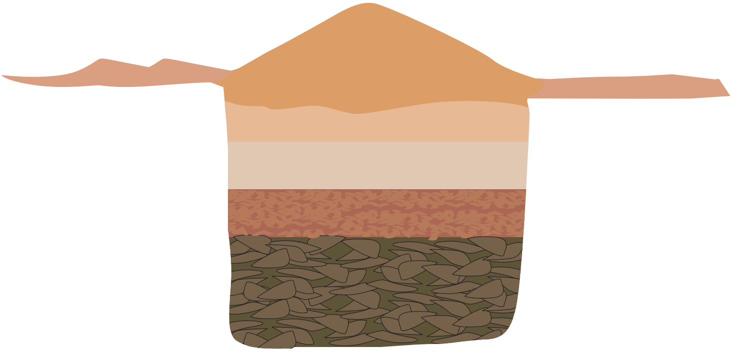

पौधा लगाना

- डेढ़ से दो वर्ष पुराना पौधा नर्सरी से लेकर लगायें।
- भरे हुए गड्ढे में पौधे की गोल के आकार का गड्ढा खेदे।
- पॉलीथिन बैग को किनारे से काटकर पौधों को बाहर निकाल लें।
- पौधा रोपण के तुरंत बाद फव्वारे से सिंचाई करें।
- पौधों के चारों तरफ थाला बना दे।
- पौधो को लकड़ी या बांस की फट्टी से सहारा दें।
- जानवरों से सुरक्षा हेतु घेरवार करें।

पौधो को खाद देना

- पौधे के चारों तरफ थाला बनाना।
- आवश्यक मात्रा में थाले में खाद डालना।
- खाद डालने के बाद पानी देना।
- एक माह के अन्तराल में थोड़ा–थोड़ा खाद डालते रहना चाहिए।
- पौधों को सितम्बर–फरवरी में आवश्यक खाद एवं उर्वरक दें।
- प्रत्येक पौधो में 100 ग्राम नाइट्रोजन, 80 ग्राम फास्फोरस एवं 60 ग्राम पोटाश प्रतिवर्ष बढ़ते हुए उस में दें।
- गर्मियों में फसल अवशेष की मलचिंग करें।

निराई गुड़ाई

- गैर जरूरी टहनियां निकाल दें।
- अवान्छित फूलों को निकाल दें।
- थाले के अन्दर घास एवं खरपतवार को गुड़ाई कर निकाल दें।
- थाले में मल्च का प्रयोग करने पर नमी धारण क्षमता बढ़ती है और खरपतवार कम होते है।

थाला बड़ा करते रहना / अन्तः फसल

- जैसे–जैसे पौधा बड़ा होता जाता है वैसे–वैसे थाला बड़ा करते रहना चाहिए।
- अन्तः फसल में दलहनी फसलों का समावेश करे।
- फसल सामान्य जलमांग वाली होनी चाहिए।
- फसलों की बुवाई, लाइन में या रिज एण्ड फरो विधि से करना चाहिए।
- सब्जी खेती के लिए अलग से क्यारी बना कर करे।

	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर
जमीन का चयन												
रेखांकन												
खेत का बचाव												
गड्ढे खोदना												
पौधा लगाना												
खाद देना												
सिंचाई												
निराई–गुढ़ाई												
थाली बड़ा करना												

डेवलपमेंट ऑल्टरनेटिव्स
बी–32, तारा क्रिसेन्ट, कुतुब इन्स्टीट्यूशनल एरिया
नई दिल्ली 110 016, भारत
दूरभाषः +91 11 2654 4100, 2656 4444, फैक्सः +91 11 2685 1158
ई–मेलः mail@devalt.org, वेबसाइटः www.devalt.org

क्षेत्रीय कार्यालय

ताराग्राम ओरछा
तीगेला मोड, झाँसी–ओरछा रोड
जिला–टीकमगढ़
मध्य प्रदेश 472 246
दूरभाषः +91 7680 252866

तारग्राम पहुज
ग्राम एवं पोस्ट ऑफिस – अम्बाबाई
सारमउ–अम्बाबाई रोड
ब्लॉक – बड़ागॉव, तहसील – झाँसी
जिला – झाँसी, उत्तर प्रदेश 284 003